

# INHALT

|     |  |     |
|-----|--|-----|
| I   | DER GRUND UNSERER EXISTENZ .....                                 | 7   |
| 1   | <i>Die Bedeutung von Sinn</i> .....                              | 9   |
| 2   | <i>Das Rätsel der Spezies Mensch wird gelöst</i> .....           | 15  |
| 3   | <i>Die Evolution und unser innerer Konflikt</i> .....            | 26  |
| II  | DIE EINHEIT DES WISSENS .....                                    | 35  |
| 4   | <i>Die Neue Aufklärung</i> .....                                 | 37  |
| 5   | <i>Die Unumgänglichkeit der<br/>Geisteswissenschaften</i> .....  | 55  |
| 6   | <i>Die Antriebskraft der sozialen Evolution</i> .....            | 64  |
| III | ANDERE WELTEN .....  | 81  |
| 7   | <i>Die Menschheit im Irrgarten der<br/>Pheromonen-Welt</i> ..... | 83  |
| 8   | <i>Superorganismen</i> .....                                     | 97  |
| 9   | <i>Warum Mikroorganismen die Galaxie<br/>beherrschen</i> .....   | 108 |
| 10  | <i>Porträt eines Außerirdischen</i> .....                        | 118 |
| 11  | <i>Der Kollaps der Biodiversität</i> .....                       | 133 |

|                  |   |     |
|------------------|---|-----|
| IV               | IDOLE DES GEISTES .....                   | 143 |
| 12               | <i>Instinkt</i> .....                     | 145 |
| 13               | <i>Religion</i> .....                     | 158 |
| 14               | <i>Freier Wille</i> .....                 | 171 |
|                  |   |     |
| V                | EINE ZUKUNFT FÜR DEN MENSCHEN .....       | 185 |
| 15               | <i>Allein und frei im Universum</i> ..... | 187 |
|                  |   |     |
| DANKSAGUNG ..... |   | 204 |
|                  |   |     |
| REGISTER .....   |   | 205 |